मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

हिन्दी

एम. ए. हिन्दी

पाठयक्रम

१९९९

पाठयक्रम विकास केन्द्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर, *काठमाडौं*

नेपाल

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

हिन्दी

एम. ए. हिन्दी

पाठयक्रम

१९९९

पाठयक्रम विकास केन्द्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर, *काठमाडौं*

नेपाल

Publisher:

Curriculum Development Centre
Tribhuvan University
Kirtipur, Kathmandu,
Nepal
Tel. No. 330856

© 1999 by CDC, TU. All rights reserved.

First Edition:

300 Copies
Kartik, 2056
October, 1999

Price: GIFT

Funded by:

Higher Education Project
T.U.

Printers:

T.U. Press
Kirtipur,
Kathmandu

एम. ए. हिन्दी

१९९९ देखि लागू गरिएको

डीनको कार्यालय
मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र संकाय
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
काठमाडौं, नेपाल

एम.ए. हिन्दी

परिचयात्मक विवरण एवं निर्देशन

इस पाठ्यक्रम में एम.ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष हेतु पांच पत्र एवं एम.ए.(हिन्दी) द्वितीय वर्ष हेतु पांच पत्र होंगे । इस प्रकार दोनों वर्षो में कुल दस पत्रों की परीक्षा होगी । पाठ्यक्रम में उल्लेखित वैकल्पिक विषयों में से छात्र अपनी रुचि अनुसार के विषय चुन सकेंगे, परंतु इस क्रम में हिन्दी केन्द्रीय विभाग के प्रमुख की सहमति भी आवश्यक होगी ।

सामान्य उद्देश्य

एम.ए. (हिन्दी) का यह नवीन पाठ्यक्रम हिन्दी विषय को आज के परिप्रेक्ष्य में समग्र रूप में समझकर ज्ञानार्जन करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है । हिन्दी का साहित्य जितना उन्नत रहा है, वर्तमान उसकी प्रगति का भी सूचक है । अत: समय की दृष्टि से आदि, मध्य और आधुनिक काल की संपूर्ण प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों का इस पाठ्यक्रम में समावेश किया गया है ।

भाषा विकास की दृष्टि से भी हिन्दी विश्व की प्रमुख उन्नत भाषाओं में एक है । इस भाषा का प्रयोग क्षेत्र विश्व के भाषिक भूगोल में अत्यन्त व्यापक और महत्वपूर्ण स्थान रखता है । अत: इस पाठ्यक्रम में हिन्दी के भाषिक, प्रयोजनमूलक, अनुसंधानमूलक पक्षों को भी विस्तार साथ समावेश किया गया है । भाषा उपयोग के अद्यतन प्राय: सभी प्रमुख क्षेत्रों - संचार, पत्रकारिता, कार्यालयीय और व्यावसायिक पक्षों में छात्रो में दक्षता अभिवृद्धि करना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है ।

भाषा विज्ञान, भारतीय और पाश्चात्य समीक्षा के अध्ययन के साथ ही संस्कृत, नेपाली एवं नेवारी साहित्य के अध्ययन को भी इस पाठ्यक्रम में समावेश किया गया है ।

अनुसंधान प्रविधि का ज्ञान एम. ए. स्तर के छात्रों में आवश्यक जान कर ***शोधप्रविधि*** को अनिवार्य पत्र अंतर्गत रखा गया है । अनुसंधान कार्य में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूरे दशम् पत्र को शोधपत्र के रूप में रखा गया है । कुछ ऐसे छात्र जो शोध पत्र नहीं लेना चाहेंगे उनके लिए वैकल्पिक पत्र ***हिन्दी पत्रकारिता: इतिहास, सिद्घांत और प्रयोग*** की व्यवस्था की गई है ।

न्यूनतम प्रवेश योग्यता एवं भर्ना

स्नातक स्तर में कम से कम २०० अंकों के मूल विषय के रूप में हिन्दी **(Major Hindi)** लेकर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी एम.ए. हिन्दी मे प्रवेश हेतु आवेदन करसकते है । उपरोक्त प्रवेश योग्यता वाले विद्यार्थीयोंको भर्ना पूर्व हिन्दी केन्द्रीय विभाग द्वारा लि जानेवाली प्रवेश परीक्षामे उत्तीर्ण होना चाहिएं । प्रवेश परीक्षामे उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थीयोंको उनके द्वारा प्रवेश परीक्षामे

प्राप्त उत्कृष्टता (Merit Basis) और विभागकी क्षमता के आधार पर भर्ना किया जाएगा । प्रवेश परीक्षा मे अनुपस्थित होनेवाले और प्रवेश परीक्षामे आवश्यक बताई गई न्यूनतम उत्तिर्णाकं से कम अंक प्राप्त करनेवाले विद्यार्थीयोंको भर्ना नहि किया जाएगा ।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रथम वर्ष

पत्र	संकेताङ्क	विषय	पूर्णाङ्क
I	Hind.501	आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य	१००
II	Hind.502	हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्वार्द्ध) एवं भारतीय काव्यशास्त्र	१००
III	Hind.503	रीतिकालीन काव्य, भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	१००
IV	Hind.504	पाश्चात्य समीक्षा तथा शोध प्रविधि	१००
		विशेष अध्ययन: साहित्यकार विशेष: (Any One)	
	Hind.505-1A	„ सूरदास	
	Hind.505-1B	„ तुलसीदास	
	Hind.505-1C	„ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	१००
	Hind.505-1D	„ प्रेमचन्द	
V	Hind.505-1E	„ जयशंकर प्रसाद	
	Hind.505-1F	„ जैनेन्द्र	
		काव्य प्रवृति विशेष: (Any One)	
	Hind.505-2A	„ सन्त काव्य	
	Hind.505-2B	„ रीति काव्य	१००
	Hind.505-2C	„ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य	
		भाषा परक एवं विविध: (Any One)	
	Hind.505-3A	I- अनुवाद-सिद्धान्त और प्रयोग	
	Hind.505-3B	II- प्रयोजनमूलक हिन्दी	१००
	Hind.505-3C	III- बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धत्ति	

द्वितीय वर्ष

VI	Hind.506	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) तथा कथा साहित्य	१००
VII	Hind.507	आधुनिक कविता तथा उपन्यास साहित्य	१००
VIII	Hind.508	निबन्ध एवं हिन्दी आलोचना साहित्य, नाटक तथा रंगमंच	१००
IX	Hind.509	संस्कृत साहित्य तथा ऐच्छिक भाषा साहित्य अ) संस्कृत साहित्य .... ५० आ) नेपाली अथवा नेवारी ५०	१००
X	Hind.510	शोधपत्र अथवा हिन्दी पत्रकारिता: इतिहास, सिद्धान्त और प्रयोग	१००

परीक्षा प्रणाली एवं श्रेणी विभाजन

दो बर्ष के एम.ए. हिन्दी विषय मे. प्रत्येक बर्ष शैक्षिक सत्र के अन्तमें बार्षिक परीक्षा प्रणाली अनुसार त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा संचालन किया जायगा । प्रत्येक बर्ष के प्रत्येक पत्र (Course) के परीक्षा में न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थी के कुल प्राप्तांकका श्रेणी विभाजन निम्नअनुसार होगा ।

७५%	अथवा उससे अधिक -	विशिष्ट श्रेणी
६०%	अथवा उससे अधिक -	प्रथम श्रेणी
५०%	अथवा उससे अधिक -	द्वितीय श्रेणी
४०%	अथवा उससे अधिक -	तृतीय श्रेणी

आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

Hind.501

Paper: I
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

एम.ए. हिन्दी उध्ययन हेतु प्रथम वर्षका यह प्रथम पत्र आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्यका सम्यक् अनुशीलन कराने में सक्षम होगा । हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं भक्तिकाल साहित्य एवं भाषा विकास दोनों ही दृष्टिकोण से अपना विशिष्ट महत्व रखता है । आदिकाल में विशेषकर काव्य की जो प्रवृत्तियां पनपीं उनका दीर्घकालीन असर हुआ । वैसे ही भक्तिकाल में काव्य की जो प्रवृत्तियां पुष्ट हुई उनसे हिन्दी साहित्य की विकास दिशा तो निश्चित हुई ही हिन्दी साहित्य की विश्व स्तर पर अपनी पहचान भी बनी । आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य के इस पत्र में दोनों ही काल के विशिष्ट एवं प्रमुख कवियों की रचनाओं को यथाशक्य समावेश कर छात्रों को सम्यक् अध्ययन कराने का प्रयास किया गया है । अंक विभाजन की दृष्टि से तथा अध्ययन अध्यापन की दृष्टि से इस पत्र को ५०/५० अंको के दो खण्डों में विभाजित किया गया है जो इस प्रकार हैः

१) आदिकालीन काव्य ५० अंक
२) भक्तिकालीन काव्य ५० अंक

जिसकी मूल्यांकन विधि कुल १०० अंक हेतु चार घंटो की लिखित परीक्षा के रूप में होगी ।

इकाई		
I	आदिकालीन काव्य	अंक: ५० पाठ घंटा ७५
II	भक्तिकालीन काव्य	अंक: ५० पाठ घंटा ७५

पाठ्य पुस्तकें

आदिकालीन काव्य

१) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, नामवर सिंह (सं.), *पृथ्वीराज रासोः चन्दवरदाई,* केवल शशिव्रता विवाह प्रस्ताव) ।
२) सिंह, शिवप्रसाद, *कीर्तिलताः विद्यापति,* (प्रथम एवं द्वितीय पल्लव) ।
३) बेनीपुरी, रामवृक्ष (संकलयिता), *विद्यापति की पदावली,* (पद संख्याः १ से १०, १२, १७, १८,२०, २३, २४, २५, २९, ३६, ५०, ५१, ५९, ७०, ७६, ८०, ८६, ९१, ९४, ९६, १११, १४३, १६४, १७०, १७१, १७५, १९१, १९९, २२८, २४१, २४५, २५४)

<u>भक्तिकालीन काव्य</u>

१) तुलसीदास, *रामचरितमानस,* गीता प्रेस, गोरखपुर, (बालकाण्ड: दोहा सं १ से ४३ तक, अयोध्याकाण्ड: दोहा सं. २५२ से २९२ तक, उत्तरकाण्ड: दोहा सं. १०३ से १३० तक)

२) तुलसीदास, *विनय पत्रिका,* गीता प्रेस, गारखपुर (पद सं. ७५ से १०० तक)

३) शुक्ल, रामचंद्र, *भ्रमरगीतसार,* ना.प्र.स., काशी (केवल आरंभिक ७५ पद) ।

४) दास, श्यामसुन्दर (सं.), *कबीर ग्रंथावली,* ना.प्र.स. काशी, (आरंभिक २०० साखियां)

५) शुक्ल, रामचन्द्र (सं.), *जायसी ग्रंथावली,* ना.प्र.स., काशी । (पद्मावत से सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड, मानसरोदक, नखशिख, नागमती वियोग खण्ड) ।

अनुशंसित ग्रंथ

१) सिंह, नामवर, *पृथ्वीराज रासा की भाषा,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

२) मिश्र, उमेश, *विद्यापति,*

३) अग्रवाल, वासुदेव शरण, *कीर्तिलता,* साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी ।

४) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *हिन्दी साहित्य का आदिकाल,* बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।

५) सिंह, शिव प्रसाद, *कीर्तिलता और अवहट्ट भाषा,* वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

६) शुक्ल, रामचन्द्र, *गोस्वामी तुलसीदास,* ना.प्र. सभा, काशी ।

७) मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, *गोसाई तुलसीदास,* वाणी वितान, वाराणसी ।

८) दीक्षित, राजमति, *तुलसीदास और उनका युग,* ज्ञान मंडल, वाराणसी ।

९) कृष्णलाल, *मानस दर्शन,* आनंद पुस्तक भवन, काशी ।

१०) सिंह, उदयभानु, *तुलसी दर्शन मीमांसा,* लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

११) „ „ *तुलसी काव्य मीमांसा,* राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

१२) शुक्ल, रामचन्द्र, *सूरदास,* ना.प्र. सभा, काशी ।

१३) गुप्त, जगदीश, *विश्व कवि के आयाम विविध,* मानस संगम, कानपुर।

१४) वाजपेयी, नन्द दुलारे, *महाकवि सूरदास,* आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।

१५) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *सूर साहित्य,* हिन्दी ग्रंथ रत्नाकार, मुम्बई ।

१६) शर्मा, हरवंशलाल, *सूर और उनका साहित्य,* भारत प्रकाशन मंदिर, अलिगढ ।

१७) सिंह, शिव प्रसाद, *सूरपूर्व ब्रजभाषा और उसका साहित्य,* हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

१८) राय, भगवती प्रसाद, *सूरदास की प्रतिभा,* ओरिएन्टालिया, चौखम्बा, वाराणसी ।

१९) श्रीवास्तव, कुमुद प्रभा, *सूर का सौन्दर्य बोध,* हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।

२०) वर्मा, रामनरेश, *सगुण भक्तिकाव्य की सांस्कृतिक भूमिका,* ना.प्र. सभा, काशी ।
२१) यादव, चौथीराम, *मध्यकालीन भक्ति काव्य में विरहानुभूति की व्यंजना,* रचना प्रकाशन, इलाहाबाद ।
२२) शुक्ल, रामनारायण, *भक्ति काव्य: स्वरूप और संवेदना,* संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।
२३) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *कबीर,* राजकमल, दिल्ली ।
२४) „ „ „ *मध्यकालीन धर्मसाधना,* साहित्य भवन, प्रा.लि., इलाहाबाद ।
२५) शुक्ल, श्यामसुन्दर, *हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति,* काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
२६) सिंह, राजदेव, *संतों की सहज साधना,* लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
२७) गुप्त, जगदीश, *गुजराती और ब्रजभाषा कृष्ण काव्य का तुलनात्मक अध्ययन,* लोक भारती, इलाहाबाद ।
२८) सिंह, योगेन्द्र प्रताप, *रामचरितमानस के रचना शिल्प का विश्लेषण,* लोकभारती, इलाहाबाद
२९) गुप्त, माताप्रसाद, *तुलसीदास,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
३०) बुल्के, फादर कामिल, *राम-कथा,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
३१) तिवारी, रामचन्द्र, *कबीर मीमांसा,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
३२) रघुवंश, *कबीर: एक नई दृष्टि,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
३३) वर्मा, ब्रजेश्वर, *सूरदास,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
३४) रघुवंश, *जायसी: एक नई दृष्टि,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
३५) नारंग, इन्द्रचन्द्र, *पद्मावत का अनुशीलन,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्वार्द्ध) एवं भारतीय काव्यशास्त्र

Hind.502 **Paper: II**
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

यह द्वितीय पत्र हिन्दी साहित्य के इतिहास का आधा भाग तथा भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन कराने में समर्थ है । आदिकाल से रीतिकाल तक हिन्दी साहित्य के इतिहास की सम्यक् जानकारी की अपेक्षा इस पत्र में छात्रों से की जाती. है । हिन्दी साहित्य का इतिहास जितना विस्तृत है उसको ध्यान में रखते हुए इसे पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध खण्डों में बांटा गया है । पूर्वार्द्ध इस पत्र के अंतर्गत तथा उत्तरार्द्ध एम.ए. द्वितीय वर्ष अंतर्गत षष्ठ पत्र में रखा गया है । हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल में तीन प्रमुख प्रवृत्तियों को निर्देशित कराता है । ये प्रवृत्तियां क्रमशः वीरता, भक्ति और श्रृंगार को तीन काल खंडों में प्रमुखता के आधार पर हमारे समक्ष उपस्थित कराती हैं । इस पत्र में उन सबों का छात्र अध्ययन कर सकेंगे ।

इस पत्र में छात्रों से भारतीय काव्यशास्त्र के सम्यक् अध्ययन की अपेक्षा की जाती है । साहित्य की नाटक, काव्य आदि विभिन्न विधाओं तथा रस, अलंकारादि संबंधी भारतीय आचार्यों के मत का अनुशीलन इसके अंतर्गत किया जाएगा ।

अंक विभाजन

क)	हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्वार्द्ध)	अंक	५०
ख)	भारतीय काव्यशास्त्र	अंक	५०

क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्वार्द्ध)

अंक: ५०
पाठ घंटा: ७५

इकाई

I साहित्य के इतिहास के संबंध में विभिन्न दृष्टिकोण, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की समस्याएं । आदिकाल का सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ और आदिकालीन साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाएं और रचनाकार, विभिन्न काव्य रूप और भाषा शैली । भक्तिकाल का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ और भक्ति आंदोलन, भक्तिकाल की विभिन्न धाराएं, रचनाकार, काव्यरूप और भाषा शैली । रीतिकाल का सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ और रीतिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं, प्रवृत्तियां और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाएं और रचनाकार ।

ख) भारतीय काव्यशास्त्र

अंक: ५०

पाठ घंटा: ७५

<u>इकाई</u>

I काव्य के लक्षण

१. शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् (भामह)

२. तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि (मम्मट)

३. वाक्यं रसात्मकं काव्यम् (विश्वनाथ)

४. रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम् (पंडितराज जगन्नाथ)

II काव्य हेतु

प्रतिभा, व्युत्पत्ति एवं अभ्यास ।

III काव्य प्रयोजन

IV रस सिद्धांत

रस सम्प्रदाय का इतिहास, रस की अवधारणा, रसानुभूति की प्रक्रिया,. और उसका स्वरूप, रस निष्पत्ति और उसकी विविध उत्पत्तियां, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, नया विवेचन

V ध्वनि सिद्धांत

ध्वनि सम्प्रदाय का इतिहास, ध्वनि के विविध अर्थ, ध्वनि का मूल स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, काव्य की आत्मा ध्वनि या रस, ध्वनि एवं अन्य सम्प्रदाय, ध्वनि संबंधी नया विवेचन

VI अलंकार सिद्धांत

अलंकार सम्प्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अलंकार्य, अलंकार एवं अन्य सम्प्रदाय

VII रीति सम्प्रदाय

रीति सिद्धांत का इतिहास, रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति एवं शैली, रीतियों का भौगोलिक - प्रादेशिक आधार, रीति संबंधी नया विवेचन

VIII वक्रोक्ति सिद्धांत

वक्रोक्ति सिद्धांत का इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्तिः काव्यजीवनम्, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजना, वक्रोक्ति एवं अन्य काव्य सिद्धांत, वक्रोक्ति संबंधी नया विवेचन ।

IX औचित्य सिद्धांत

औचित्य का इतिहास, औचित्य एवं अन्य काव्य सिद्धान्त ।

अनुशंसित ग्रंथ

१) शुक्ल, रामचन्द्र, *हिन्दी साहित्य का इतिहास,* ना.प्र.स., काशी ।
२) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *हिन्दी साहित्य की भूमिका,* राजकमल, दिल्ली ।
३) *हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास,* राजकमल, दिल्ली ।
४) *हिन्दी साहित्य का आदिकाल,* " "
५) सिंह, बच्चन, *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
६) मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, *हिन्दी साहित्य का अतीत,* भाग १, २, वाणी विलास,वाराणसी ।
७) नगेन्द्र, *हिन्दी साहित्य का इतिहास,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
८) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास,* लोक भारती, इलाहाबाद ।
९) शर्मा, नलिनविलोचन, *साहित्य का इतिहास,* बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।
१०) प्रधान, अवधेश, *हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं,* साहित्य वाणी, इलाहाबाद ।
११) गुप्त, गणपतिचन्द्र, *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
१२) वर्मा, धीरेन्द्र, *हिन्दी साहित्य* (द्वितीय खण्ड), भारतीय हिन्दी परिषद, प्रयाग ।
१३) वर्मा, रामकुमार, *हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*
१४) वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर, *हिन्दी साहित्य का इतिहास,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
१५) नगेन्द्र, *भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका,* नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।
१६) त्रिपाठी, राममूर्ति, *भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज,* राजकमल, दिल्ली ।
१७) व्यास, भोलाशंकर, *ध्वनि संप्रदाय और उनके सिद्धत,* चौखम्बा, बाराणसी ।
१८) नगेन्द्र, *रस सिद्धांत,*
१९) गुप्त, गणपतिचन्द्र, *रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
२०) शुक्ल, रामचंद्र, *रसमीमांसा,* ना.प्र.स., काशी ।
२१) मिश्र, भगीरथ, *काव्य शास्त्र,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
२२) तिवारी, सियाराम, *साहित्य शास्त्र और काव्य भाषा,* न.म. प्रकाशन, साहिबाबाद ।
२३) सिंह, योगेन्द्र प्रताप, *भारतीय काव्य शास्त्र,* लोकभारती, इलाहाबाद।
२४) अग्रवाल, निशा, *भारतीय काव्य शास्त्र,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

रीतिकालीन काव्य, भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

Hind.503 **Paper: III**
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

यह तृतीय पत्र हिन्दी साहित्य के रीति कालीन काव्य- ग्रंथों एवं कवियों द्वारा रचित अन्य रचनाओं का अध्ययन कराने में सक्षम होगा । हिन्दी साहित्य का रीतिकाल साहित्य -रचना एवं शैली आदि दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जाता है । इस काल में अनेक ऐसे रचनाकार भी हुए जिन्होंने शास्त्रीय आधारों पर काव्य रचना की । अनेक ऐसे भी रचनाकार हुए जिन्होंने भाव की दृष्टि से उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत कीं । भाव की प्रधानता की दृष्टि से हिन्दी साहित्य के इतिहासकारों ने इसे श्रृंगार काल भी कहा है । निश्चय ही श्रैंगारिकता इस काल की रचनाओं की अपनी खास पहचान रही है । परन्तु शास्त्रीयता का आधिपत्य भी इस काल की रचनाओं पर उतना ही देखने में आता है । इसी कारण से इस काल को रीतिकाल के नाम से जाना जाता है । वैसे इस काल में अनेक ऐसे श्रेष्ठ कवि भी हुए जिन्होंने अपने को रीति परम्परा से मुक्त रखते हुए उत्कृष्ट रचनाएं रचीं । छात्रों को इस काल की रचनाओंका उपर्युक्त दृष्टि से सम्यक् ज्ञान दिलाना इस पत्र का उद्देश्य है ।

इस पत्र के दूसरे खण्ड के रूप में भाषा विज्ञान के सैद्धान्तिक पक्षों, उसका इतिहास तथा कुछ प्रायोगिक पक्षों का अध्ययन कराना भी इसका एक उद्देश्य है । भाषा की उत्पत्ति कैसे हुई, भाषा का महत्व तथा भाषा-विकास की परम्परा, 'विश्व के प्रमुख भाषाओं के संदर्भ में हिन्दी भाषा के स्वरूपगत अध्ययन से छात्रों को इस भाषा के संबन्ध में सम्यक् ज्ञान दिलाना इस पत्र का अन्य उद्देश्य भी है ।

रीतिकालीन काव्य (अंकः ५०)

<u>इकाई</u>		<u>पाठ घंटा</u>
I	**व्याख्या (दो):** (२० अंक), **समीक्षात्मक प्रश्न (दो):** (३० अंक)	७५
II	**सामान्य भाषा विज्ञान** (अंकः ३०) भाषा, भाषा की उत्पत्ति, भाषा विकास, भाषा का उपयोग, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली, भाषा की परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के कारण । भाषाओं का वर्गीकरण, संसार के भाषा परिवार । भाषा विज्ञान की परिभाषा, ध्वनि विज्ञान, पदविज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान तथा भाषा विज्ञान का इतिहास ।	४५

III हिन्दी भाषा विकास एवं संरचना (अंक: २०) ३०

हिन्दी: अर्थ, उत्पत्ति एवं विकास, हिन्दी भाषा: सामान्य परिचय, हिन्दी भाषा का व्याकरण और उसका इतिहास (पृष्ठभूमि -भारतेन्दुपूर्व, भारतेन्दुयुगीन और द्विवेदी युगीन हिन्दी व्याकरण, पं. कामता प्रसाद गुरु, आचार्य किशोरीदास वाजपेयी तथा तत्पश्चात् के व्याकरण और भाषा संबंधी चिन्तन एवं हिन्दी भाषा) ।

हिन्दी भाषा: शब्द संरचना (हिन्दी शब्दोंका गठन, संगठन तत्व और संबंधित समस्याएं) हिन्दी भाषा: वाक्य संरचना, हिन्दी भाषा: अर्थ संरचना, हिन्दी वर्तनी के मानकीकरण से सम्बद्व समस्याएं, देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा का मानकीकरण (देवनागरी लिपि का संदर्भ, हिन्दी के संदर्भ में देवनागरी लिपि का वैशिष्ट्य, दोष, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि का ध्वनिगत मानकीकरण, देवनागरी लिपि का मानक रूप, हिन्दी वर्णमाला का वर्गीकृत विवरण, लिप्यंतरण, मानक हिन्दी के प्रमुख अभिलक्षण) ।

पाठ्य पुस्तकें

एकाई I

१) मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद (सं.), *बिहारी,* वाणी वितान, वाराणसी । (आरंभ से १५० दोहे)

२) " " " " *घनानंद कवित्त,* नन्दकिशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी (आरंभ से १०० छंद) ।

३) रत्नाकर, जगन्नाथ दास, *उद्धव शत्तक,* (मंगलाचरण तथा छन्द संख्या १ ७, १२, १५, १९, २०, २६, २७, ३० - ३८, ४३ - ४५, ४७, ५१, ५५, ६०, ६५, ६८, ७०, ८१, ८२, ८७, ८८, ९० - ९८, १०७, १०८, ११० - ११३ तक) ।

अनुशंसित पुस्तकें

१) सिंह, विजयपाल *केशव का आचार्यत्व,* राजपाल एंड संस, नई दिल्ली।

२) दीक्षित, हीरालाल, *आचार्य केशवदास,* लखनऊ वि.वि., लखनऊ ।

३) सिंह, बच्चन, *बिहारी का नया मूल्यांकन,* लोकभारती, इलाहाबाद।

४) गौड, मनोहरलाल, *घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा,* ना.प्र.स. काशी ।

५) सिंह, बच्चन, *रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना,* ना.प्र.स.काशी ।

६) द्विवेदी, सूर्यनारायण, *रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त,* राजा बुक सेन्टर, वाराणसी ।

७) शर्मा, देवेन्द्रनाथ, *भाषा विज्ञान की भूमिका,* राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

८) शर्मा, राजमणि, *आधुनिक भाषा विज्ञान,* वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

९) तिवारी, भोलानाथ, *भाषा विज्ञान,* किताब महल, इलाहाबाद ।
१०) सक्सेना, बाबूराम, *सामान्य भाषा विज्ञान,* हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
११) श्रीवास्तव, तिवारी एवं गोस्वामी, *अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान,* आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।
१२) तिवारी, उदयनारायण, *भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास,* भारती भंडार, इलाहाबाद ।
१३) तिवारी, भोलानाथ, *भारतीय भाषा विज्ञान की भूमिका,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
१४) मिश्र, विद्यानिवास, *भारतीय भाषाशास्त्र चिंतन की पीठिका,* बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना ।
१५) श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ, *भारतीय भाषा शास्त्र के सूत्रधार,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
१६) पाठक, दान बहादुर एवं मनहर गोपाल भार्गव, *भाषा विज्ञान,* प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ ।
१७) तिवारी, उदयनारायण, *हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास,* लोक भारती, इलाहाबाद ।
१८) जैन, महावीर सरन, *भाषा एवं भाषा विज्ञान,* लोकभारती, इलाहाबाद।
१९) तिवारी, भोलानाथ, *हिन्दी भाषा और नागरी लिपि,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
२०) मिश्र, भगीरथ एवं कपूर, *हिन्दी भाषादर्श,*लोकभारती, इलाहाबाद ।
२१) त्रिवेदी, जयेन्द्र, *हिन्दी रूप-रचना,* भाग १, २, लोकभारती, इलाहाबाद।

पाश्चात्य समीक्षा तथा शोध प्रविधि

Hind.504

Paper: IV
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

इस पत्र के अंतर्गत पाश्चात्य समीक्षा तथा अनुसंधान कौशल के विकास हेतु शोधप्रविधि का ज्ञान छात्रों को दिलाना उद्देश्य है ।

पाश्चात्य समीक्षा (अंक: ५०)

इकाई		पाठ घंटा
I	१. प्लेटो: प्रत्यय सिद्धांत, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप	७५
	२. अरस्तू:अनुकृति, त्रासदी (परिभाषा एवं उसके विविध तत्व), विरेचन, कथानक, प्लेटो और अरस्तू	
	३. बर्डस्वर्थ: काव्य भाषा का सिद्धांत	
	४. कालरिज: कल्पना और फैंसी	
	५. क्रोचे: अभिव्यंजनावाद	
	६. टी.एस. इलियट: परम्परा की परिकल्पना, परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण	
	७. आई.ए. रिचर्ड्स: मूल्य सिद्धांत, भाषा के विविध प्रयोग, सम्प्रेषण सिद्धांत, आलोचक के गुण । स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, यथार्थवाद, नई समीक्षा, साहित्य का समाजशास्त्र	

शोध प्रविधि

अंक: ५०

पाठ घंटा: ७५

१) **अनुसंधान के मूल उपकरण**

- क) प्राक्कल्पना (Hypothesis) : प्राक्कल्पना की परिभाषा
- ख) आत्त सामग्री (Data) : परिभाषा
- ग) तथ्य एवं अन्वेषण
- घ) सिद्धान्त और नियम

२) **समस्या (विषय) का चुनाव**

योजना के लिए समय देना

३) **समस्याओं का पता लगाना**

वर्तमान साहित्य में प्रकाशित निबंधो में प्रयुक्त तकनीक एवं विचारों का अध्ययन, अनुसंधान साहित्य में किसी असफल योजना की त्रुटियों का अध्ययन, अनुसंधान विषयक तकनीकी पत्रिकाओं के विचार विमर्श का अध्ययन, वर्तमान अनुसंधान साहित्य का सिंहावलोकन, प्रकाशित सामग्रियों में से अपने काम की सामग्री ढूंढ लेना, पुस्तकालय के उपयोग के सुविकसित तरीकों से परिचित होना, विषय से संबंधित साहित्य को पढना, व्याख्यात्मक निबंधों का अध्ययन कर उसके केन्द्रीय विचार को समझना ।

४) **अनुसंधानात्मक अध्ययनों के मूल्यांकन के लिए विचार**

- क) समस्या का मूल्यांकन
- ख) अनुसंधान विधि का मूल्यांकन
- ग) शोधकार्य की डिजाइन (Design) और विश्लेषण की उपयुक्तता
- घ) परिणाम (Result) और निष्कर्ष (Conclusion) का मूल्यांकन
- ङ) प्रकाशित अनुसंधानों के मूल्यांकन हेतु कुछ अतिरिक्त मापदंड
- च) चुने हुए प्रकाशनों का प्रतिवेदित परिणामों पर प्रभाव

५) **समस्या के स्पृहणीय लक्षण**

- क) क्या अनुसंधान के लिए चुनी हुई प्राक्कल्पनाएं परीक्षा के योग्य हैं ?
- ख) परिवर्तनशील तथ्यों का प्राक्कल्पना में उल्लेख
- ग) प्राक्कल्पना का लक्ष्य सीमित होना चाहिए
- घ) प्राक्कल्पनाएं अधिकांश ज्ञात तथ्यों के मेल में होना चाहिए
- ङ) प्राक्कल्पना का वर्णन संभवत: साधारण पदावली में होनी चाहिए
- च) चुनी हुई प्राक्कल्पना समुचित समय में परीक्षणीय हो

६) आत्त सामग्री (Data) की भाषा या आत्त भाषा (Data Language)

७) समस्याओं की परिभाषा देने में व्यापकता एवं संकीर्णता के लाभ।

८) समस्या का आरंभिक अन्वेषण

९) एक अनुसंधान योजना का विकास -

क) समस्या-योजना में उस प्रश्न/प्रश्नों का स्पष्ट उल्लेख हो जिसका / जिनका अनुसंधान कार्यद्वारा उत्तर दिये जाने का प्रयत्न किया जा रहा हो ।

ख) समस्या के समाधान की विधि

ग) कार्यविधि और तकनीक

घ) आत्त सामग्री के प्रयोग की विधि

१०) सर्वेक्षण की विधियाँ

क) आत्त सामग्री की संकलन प्रक्रिया पर प्रतिबंध

ख) सर्वेक्षण के लिए नमूनो को छांटना और उसकी पहचान करना ।

११) आत्त सामग्री का प्रक्रियन और रिपोर्ट तैयार करना

अनुशंसित ग्रंथ

१) विलियमन, विमसात, *लिटरेरी क्रियटिसिज्म ए शार्ट हिष्ट्री,* के एण्ड बुक्स, क्लींथ, लंडन ।

२) राय एण्ड द्विवेदी, *लिटेरेरी क्रिटिसिज्म,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।

३) शर्मा, देवेन्द्र नाथ, *पाश्चात्य कव्यशास्त्र,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

४) तिवारी, रामपूजन, *पाश्चात्य साहित्य शास्त्र,*

५) नगेन्द्र, *पाश्चात्य समीक्षा शास्त्रः सिद्धांत और परिदृश्य,*

६) जैन, निर्मला, *पाश्चात्य साहित्य चिंतक,* राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली।

७) झा, शम्भुदत्त, *रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धांत,* भारती भवन,पटना ।

८) डा. गणेशन, *अनुसंधान प्रविधि,* लोक भारती प्रकाशन, १५ ए महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद ।

९) सिंह, विजयपाल, *हिन्दी अनुसंधान,* लोक भारती, इलाहाबाद ।

१०) सिंह, कन्हैया, *हिन्दी पाठानुसंधान,* लोक भारती, इलाहाबाद ।

११) राबर्ट एम. डब्लू ट्रैवर्स, *शिक्षात्मक अनुसंधान की प्रस्तावन,* किताब महल, जीरो रोड, इलाहाबाद ।

१२) त्रिवेदी, आर. एन, डी. पी. शुक्ला, *रिसर्च मैथ्डोलाजी,* कालेज बुक डिपोट, ८३, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर ।

१३) जैन, बी.एम., *रिसर्च मैथ्डोलाजी,* कालेज बुक डिपोट, ८३, त्रिपोलिया, जयपुर ।

१४) „ „ *शोध प्रविधि एवं क्षेत्रीय तकनीक,* कालेज बुक डिपोट, ८३, त्रिपोलिया, जयपुर ।

विशेष अध्ययन
(Any one)

Hind.505

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

पंचम पत्र विशेष अध्ययन का पत्र है । १०० अंक के इस पत्र अन्तर्गत १२ वैकल्पिक विषय दिए गये हैं । उनमें से साहित्यकार विशेष, काव्य प्रवृत्ति विशेष अथवा भाषापरक एवं विविध तीन समूहों में से किसी भी एक विषय पर विशेष अध्ययन करना होगा ।

छात्रों के अध्ययन संबन्धी गुणवत्ता अभिवृद्धि तथा विषय को गहराई से समझने की क्षमता का विकास इस पत्र का उद्देश्य है ।

<u>नोट:</u> इस पत्र में निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन विभागीय प्रमुख की अनुमति से करना होगा ।

क) साहित्यकार विशेष:
सूर, तुलसी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र

ख) काव्य प्रवृत्ति विशेष
संत काव्य, रीति काव्य, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

ग) भाषापरक एवं विविध
अनुवाद - सिद्धांत एवं प्रयोग, प्रयोजनमूलक हिन्दी, बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति

क) साहित्यकार विशेष: सूरदास
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-1A

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या	४	(अंक ४०)
समीक्षात्मक प्रश्न	४	(अंक ६०)

पाठ्य ग्रंथ

१) बाहरी, हरदेव, *सूरसागर* प्रथम खण्ड, लोकभारती, इलाहाबाद
२) " " *सूरसागर* द्वितीय खण्ड, लोकभारती, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ

१) शुक्ल, रामचन्द्र, *सूरदास,* ना.प्र.स., काशी ।
२) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *सूर-साहित्य,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
३) गुप्त, दीनदयाल, *अष्टछाप और वल्लभ,* हिन्दुस्तानी एकेडमी,प्रयाग।
४) शर्मा, हरिवंशलाल, *सूर और उनका साहित्य,* भारत प्रकाशन, मंदिर, अलीगढ ।

५) वर्मा, रामनरेश, *हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका,* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
६) वाजपेयी, नंददुलारे, *सूरदास,*
७) पाण्डेय, मेनेजर, *सूरदास और कृष्ण भक्ति काव्य,* वाणी प्र. नई दिल्ली ।
८) राय, पूर्णमासी, *हिन्दी कृष्ण भक्ति साहित्य: मधुर भाव की उपासना,* भारती भवन, पटना ।
९) वर्मा, ब्रजेश्वर, *सूरदास,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

ख) साहित्यकार विशेष: तुलसीदास
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-1B

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या	४	(अंक ४०)
समीक्षात्मक प्रश्न	४	(अंक ६०)

पाठ्य ग्रंथ

१) *रामचरितमानस* (अयोध्याकाण्ड - संपूर्ण, ३२६ दोहे), गीता प्रेस, गोरखपुर
२) *कवितावली* (केवल उत्तरकाण्ड, कुल १८३ छंद)
३) *विनय पत्रिका* (चुने हुए कुल ५१ पद्य)
पद संख्या: १, ३, ४, ५, १७, ३०, ३६, ४१, ४५, ७२, ७३, ७६, ७८, ७९, ८५, ८८, ८९, ९०, ९४, ९७, १००, १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १११, ११३, ११४, ११५, १२१, १२४, १५५, १५६, १५८, १५९, १६०, १६२, १६३, १६३, १६४, १६५, १६६, १६७, १६९, १७२, १७४, १८५, १९८, २०१, २६९, २७२॥

सहायक ग्रंथ

१) शुक्ल, रामचन्द्र, *गोस्वामी तुलसीदास,* नागरी प्र. सभा, काशी ।
२) गुप्त, माताप्रसाद, *तुलसीदास,* हिन्दी परिषद, प्रयाग ।
३) श्रीकृष्णलाल, *मानस दर्शन,* आनंद पुस्तक भवन, काशी ।
४) दीक्षित, राजमति, *तुलसी और उनका युग,* ज्ञानमंडल, काशी ।
५) पाण्डेय, चंद्रबली, *तुलसी की पावन भूमि,* नागरी प्र. सभा, काशी॥
६) बुल्के, कामिल, *रामकथा,* हिन्दी परिषद, प्रयाग ।
७) वारान्निकोव, *मानस की रूसी भूमिका* (हिन्दी अनुवाद), विद्यामंदिर, लखनऊ ।
८) दीक्षित, राजमति, *सन्त तुलसीदास और उनका संदेश,* गोविन्द मुद्रणालय, बुलानाला, वाराणसी ।

९) त्रिवेदी, ज्ञानवली, *गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और उसका महत्व,* काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रकाशन ।
१०) त्रिपाठी, विश्वनाथ, *लोकवादी तुलसी,* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
११) ग्रियर्सन, *तुलसीदास,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

ग) साहित्यकार विशेष: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-1C

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या	**४**	**(अंक ४०)**
समीक्षात्मक प्रश्न	**४**	**(अंक ६०)**

पाठ्य ग्रंथ

१) शुक्ल, केशरीनारायण, *भारतेन्दु के निबंध,* प्रकाशन, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
२) *भारतेन्दु ग्रंथावली,* भाग १, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, (भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, नीलदेवी, चंद्रावली)
३) *भारतेन्दु 'ग्रंथावली,* भाग २, ना.प्र.सभा, काशी । (प्रेममालिका, प्रेमसरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेमाश्रुवर्णन, प्रेमप्रलाप, कृष्णचरित्र माला)

सहायक ग्रंथ •

१) गुप्त, किशोरीलाल, *भारतेन्दु और उनके सहयोगी,* हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी ।
२) शर्मा, रामविलास, *भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
३) भटनागर, रामरतन, *पत्र - पत्रिकाओं का इतिहास,*
४) वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर, *आधुनिक हिंदी साहित्य,* हिंदी परिषद, प्रयाग।
५) शर्मा, रामविलास, *भारतेन्दु हरिश्चंद्र,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

घ) साहित्यकार विशेष: प्रेमचन्द
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-1D

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या	**४**	**(अंक ४०)**
समीक्षात्मक प्रश्न	**४**	**(अंक ६०)**

पाठ्य ग्रंथ

१) उपन्यास: १) सेवासदन, २) प्रेमाश्रम, ३) रंगभूमि, ४) कर्मभूमि

२) नाटक : कर्वला
३) आलोचना: साहित्य का उद्देश्य
४) कहानियां: कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाडी, नशा, सवासेर गेहूं, सद्गति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुंआ, रामलीला, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दूध का दाम, दो बैलों की कथा ।

सहायक पुस्तकें

१) शिवरानी देवी, *प्रेमचंद: घर में ।*
२) मदान, इन्द्रनाथ, *प्रेमचंद: एक विवेचन ।*
३) शर्मा, रामविलास, *प्रेमचंद और उनका युग ।*
४) राय, अमृत, *प्रेमचंद: कलम का सिपाही ।*
५) मदनगोपाल, *प्रेमचंद ।*
६) रहबर, हंसराज, *प्रेमचंद: जीवन, कला एवं कृतित्व ।*
७) वाजपेयी, नंददुलारे, *प्रेमचंद: साहित्यिक विवेचन ।*
८) गुप्त, मन्मथनाथ, *कथाकार प्रेमचंद ।*
९) गुरु, राजेश्वर, *प्रेमचंद: एक अध्ययन ।*
१०) राय, जनार्दन प्रसाद, *प्रेमचंद की उपन्यास कला ।*
११) रामवृक्ष, *प्रेमचंद एवं भारतीय किसान ।*
१२) विमल, गंगा प्रसाद, *प्रेमचंद ।*
१३) कोहली, नरेन्द्र, *प्रेमचंद के साहित्य सिद्धांत ।*
१४) जैनेन्द्र, *प्रेमचंद: एक कला व्यक्तित्व ।*
१५) मदान, इन्द्रनाथ (सं.), *प्रेमचंद: चिंतन और कला ।*
१६) श्री मधु, *प्रेमचंद और गोर्की ।*
१७) शर्मा, नलिन विलोचन, *हिंदी उपन्यास: विशेषत: प्रेमचंद ।*
१८) राय, अमृत (सं.), *प्रेमचंद स्मृति*

ङ) साहित्यकार विशेष: जयशंकर प्रसाद
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-1E

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या ४ (अंक ४०)
समीक्षात्मक प्रश्न ४ (अंक ६०)

पाठ्य ग्रंथ

१) *कामायनी:* (केवल चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा, इडा सर्ग)
२) *आंसू* (संपूर्ण)
३) *लहर* (प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशौला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र समर्पण)
४) *अजात शत्रु*

५) *जनमेजय का नागयज्ञ*

६) *ध्रुवस्वामिनी*

७) *कंकाल*

८) *तितली* ।

९) *कहानी:* भिखारिन, प्रतिध्वनि, चूडीवाली, देवदासी, बिसाती, आंधी, मधुआ, बेडी, नीरा, ब्रतभंग, गुंडा, विरामचिह्न, सलीम, सालवती, देवरथ ।

१०) *काव्य कला तथा अन्य निबंध* ।

टिप्पणी: उपरोक्त खण्डों में से एकएक व्याख्या और उन पर आधारित एकएक ः चनात्मक प्रश्न करने होगे ।

संदर्भ ग्रंथ

१) वाजपेयी, नंददुलारे, *जयशंकर प्रसाद* ।

२) ,, ,, *नया साहित्य: नये प्रश्न,* मैकमिलन, नईदिल्ली ।

३) खण्डेलवाल, रामेश्वर, *जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला* ।

४) व्यास, विनोद शंकर, *प्रसाद और उनका साहित्य* ।

५) प्रेमशंकर, *प्रसाद का काव्य* ।

६) शर्मा, जगन्नाथ प्रसाद, *प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन* ।

७) भटनागर, रामरतन, *प्रसाद का जीवन और साहित्य* ।

८) सिंह, बच्चन, *हिंदी नाटक* ।

९) शर्मा, राजमणि, *प्रसाद का गद्य साहित्य* ।

१०) शुक्ल, रामकृष्ण श्री मुख, *प्रसाद: दुखान्त नाटक* ।

११) त्रिपाठी, वशिष्ठनारायण, *नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान,* मंगतराम एंड संस, मेन बाजार, गांधीनगर, दिल्ली ।

१२) "शैदा",विश्वनाथ लाल, *कामायनी की व्याख्यात्मक आलोचना,* हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी ।

च) साहित्यकार विशेष: जैनेन्द्र
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-1F

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या	**४**	**(अंक ४०)**
समीक्षात्मक प्रश्न	**४**	**(अंक ६०)**

पाठ्य पुस्तकें

१) उपन्यास: *परख, सुनीता, त्यागपत्र, अनाम स्वामी*

२) कहानी: *जैनेन्द्र की सर्वश्रेष्ठ कहानियां (सभी कहानियां)*

३) निबंध: *साहित्य का श्रेय व प्रेय, अकाल पुरुष गांधी*

सहायक पुस्तकें:

१) श्रीवास्तव, परमानंद, *जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन।*
२) सिंह, अन्नपूर्णा, *जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी परिकल्पना ।*
३) उपाध्याय, देवराज, *आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान।*
४) अरोडा, अतुल वीर, *आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास।*
५) सिंह, बच्चन, *कथाकार जैनेन्द्र ।*

क) काव्य प्रवृति विशेष: सन्त काव्य
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-2A

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या	४	(अंक ४०)
समीक्षात्मक प्रश्न	४	(अंक ६०)

पाठ्य ग्रंथ

१) बडथ्वाल, पीतांबरदत्त (सं.), *गोरखवानी,* हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (आरंभिक ७५ सवदियां)

२) चतुर्वेदी, परशुराम (सं.), *संत काव्य संग्रह,* (नया संस्करण) किताब महल, इलाहाबाद

पाठ्यअंश

नामदेव (संपूर्ण), *कबीर* , पद सं. १ से २५ तक
नानक (केवल पद), सुन्दरदास (छोटे) संपूर्ण
पलटू : (संपूर्ण)

सहायक ग्रंथ

१) द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, *नाथ संप्रदाय,* नैवेद्य निकेतन, वाराणसी ।

२) बडथ्वाल, पीताम्बरदत्त, *हिंदी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय* ।

३) दूवे, राधेश्याम, *सन्त साहित्य,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

४) शुक्ल, श्यामसुन्दर, *हिंदी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति,* विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

५) चतुर्वेदी, परशुराम, *उत्तर भारत की सन्त परम्परा,* किताब महल, प्रयाग ।

६) मैनी, धर्मपाल, *मध्य युगीन निर्गुण चेतना,* लोकभारती, इलाहावाद।

७) साही, सदानन्द, *अपभ्रंश के धार्मिक मुक्तक और सन्त साहित्य,* लोकभारती, इलाहावाद ।

८) उपाध्याय, नागेन्द्रनाथ, *नाथ वंश और सन्त साहित्य,* का.हि.वि. प्रकाशन ।

९) " " *गोरखनाथ,* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

१०) मैनी, धर्मपाल, *सन्तों के धार्मिक विश्वास,* नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, केन्द्रीय पुस्तकालय
Gunacc

ख) काव्य प्रवृति विशेष: रीति काव्य
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-2C

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या ४ (अंक ४०)
समीक्षात्मक प्रश्न ४ (अंक ६०)

पाठ्य ग्रंथ

१) *मतिराम ग्रंथावली* (रस राज, छंद सं. १ से ११० तक), गंगा पुस्तक माला, लखनऊ ।
२) *जगद विनोद* : *पदमाकर* (छंद सं. ६०४ से लेकर ७२६ तक): वाणी वितान, काशी ।
३) *कवि प्रिया* : *केशवदास* (केवल नवम प्रभाव), कल्याणदास एण्ड ब्रदर्स, ज्ञानवापी,वाराणसी।

सहायक ग्रंथ

१) नगेन्द्र, *रीतिकाव्य की भूमिका,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
२) व्यास, भोलाशंकर, *भारतीय साहित्य शास्त्र और काव्यालंकार* ।
३) मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, *पद्माकर,* नागरी प्रचारिणी सभा,काशी ।
५) सिंह, बच्चन, *रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना,* ना.प्र.स.काशी ।
६) सिंह, विजयपाल, *केशव का आचार्यत्व,* राजपाल एंड संस,दिल्ली ।
७) सिंह, त्रिभुवन, *महाकवि मतिराम,* हिंदी प्रचारक संस्थान,वाराणसी ।
८) द्विवेदी, सूर्यनारायण, *रीतिकालीन काव्य सिद्धांत,* संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।
९) मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, *हिन्दी साहित्य का अतीत,* भाग २, वाणी वितान, वाराणसी ।

ग) काव्य प्रवृति विशेष: स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-2C

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

व्याख्या ४ (अंक ४०)
समीक्षात्मक प्रश्न ४ (अंक ६०)

१) **प्रश्नों का विभाजन इस प्रकार होगा: एक प्रश्न उपन्यास पर, एक नाटक या कहानी पर, दो प्रश्न काव्य पर और एक प्रश्न आज तक की साहित्यिक प्रवृत्तियों की समुचित जानकारी पर होगा**

२) उपन्यास, कहानी, नाटक तथा अद्यतन साहित्यिक गतिविधि पर प्रश्न समीक्षात्मक होंगे । काव्य पर दो प्रश्नों में से एक समीक्षात्मक होगा और एक व्याख्यात्मक ।

३) व्याख्या केवल काव्यांश सें पूछी जाएगी ।

पाठ्य ग्रंथ

१) शुक्ल, श्रीलाल, *रागदरबारी,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

२) यादव, राजेन्द्र (सं.), *एक दुनिया समानांतर* । (खोई हुई दिशाएं, टूटना,, एक और जिंदगी, तीसरी कसम, बदवू, सेतर)

३) साहनी, भीष्म, *कबिरा खडा बजार में* ।

४) मुक्तिबोध, *चांदका मुंह टेढा है* (ब्रह्म राक्षस और चकमक की चिन्गारियां)

५) सहाय, रघुवीर, *हंसो-हंसो, जल्दी हंसो* । (चुनी हुई कविता - दो अर्थ का भय, आज का पाठ है, हंसो - हंसो जल्दी हंसो, चेहरा, हैं हैं)

६) सिंह, केदारनाथ, परमानन्द श्रीवास्तव (सं.), *प्रतिनिधि कविताएं* । (चुनी हुई कविताएं सीटी, जमीन, पानी में धिरे हुए लोग, वनारस, टूटा हुआ ट्रक) ।

संदर्भ ग्रंथ

१) अज्ञेय (सं.), *तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक,* ज्ञानपीठ ।

२) श्रीवास्तव, परमानंद, *समकालीन कविता का यथार्थ,* हरियाणा अकादमी ।

३) चक्रधर, अशोक, *मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया* ।

४) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *भाषा और संवेदना,* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

५) मुक्तिबोध, गजानन माधव, *एक साहित्यिक की डायरी,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

६) सिंह, नामवर, *कविता के नये प्रतिमान,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

७) गुप्त, जगदीश, *नयी कविता: स्वरूप और संवेदना* ।

८) धनंजय (सं.), *समकालीन हिंदी कहानी-दिशा और दृष्टि* ।

९) अवस्थी, देवी शंकर (सं.), *नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

१०) मदान, इन्द्रनाथ, *आधुनिकता और उपन्यास* ।

११) जैन, नेमिचन्द्र, *रंगदर्शन,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१२) सिंह, शिवप्रसाद, *आधुनिक परिवेश और नवलेखन,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

१३) त्रिपाठी, वशिष्ठनारायण, *नाटक के रंगमचीय प्रतिमान,* जगतराम एंड संस, दिल्ली ।

१४) सिंह, नामवर, *कहानी: नयी कहानी,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

१५) शर्मा, रामविलास, *नई कविता और अस्तित्ववाद,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

१६) श्रीवास्तव, परमानन्द, *शब्द और मनुष्य,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

१७) पाण्डेय, श्रीनिवास, *आधुनिक कविता के बदलते प्रतिमान,* आशुतोष प्रकाशन, वाराणसी ।

१८) शुक्ल, रामनारायण, *जनवादी समझ और साहित्य,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,

१९) सराफ, रामकली, *समकालीन कविता की प्रवृत्तियां,* वि.प्र., वाराणसी ।

२०) मालती, के.एम., *साठोत्तर हिन्दी कहानी,* लोकभारती इलाहाबाद ।

२१) वर्मा, लक्ष्मीकांत, *नयी कविता के प्रतिमान,* लोकभारती, इलाहाबाद।

२२) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *आधुनिक कविता यात्रा,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

२३) „ „ *तारसप्तक से गद्य कविता,* लोकभारती, इलाबाद ।

क) भाषापरक एवं विविध: अनुवाद - सिद्धांत एवं प्रयोग
(विशेष अध्ययन)

Hind.505-3A

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

नोट: इस प्रश्नपत्र में खंड (क) से ४० अंक के दो प्रश्न तथा अनुप्रयुक्त पक्ष खंड (ख) से किन्ही दो अंशों के अनुवाद करने होंगे । इस खंड पर ६० अंक निर्धारित हैं ।

इकाई | पाठ घण्टा

खण्ड (क) (अंक ४०) ६०

I *अनुवाद स्वरूप*

अनुवाद का व्यापक संदर्भ: अंतर भाषिक और अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद; अन्तर भाषिक अनुवाद की प्रकृति कला, विज्ञान, शिल्प अथवा अन्य विधा; अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक संदर्भ

II *अनुवाद प्रक्रिया*

अनुवाद प्रक्रिया के तीन पक्ष: विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, अनुवाद की तीन भूमिकाएं: पाठक की भूमिका और अर्थान्तरण की प्रक्रिया, रचयिता की भूमिका और अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के पाठों की समतुल्यता का सिद्धांत

III *अनुवाद प्रकार*

पाठानुवाद एवं आशु अनुवाद, लिप्यंकन एवं लिप्यंतरण, पूर्ण एवं आंशिक अनुवाद, समग्र एवं सारगर्भित अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, भाषानुवाद एवं छायानुवाद, पद्यानुवाद एवं गद्यानुवाद, मशीनी अनुवाद

IV *अनुवाद की सीमाएं*

भाषिक संरचना और शैलीगत; सांस्कृतिक शब्द, लोकोक्तियां एवं मुहावरे; साहित्यिक एवं साहित्येत्तर विधाएं ।

पाठ घंटा

खंड (ख) (अंक ६०)

अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष ९०

V कोश का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद, कार्यालयीय साहित्य के अनुवाद, विधि साहित्य के अनुवाद, निर्धारित पाठ का अंग्रेजी या नेपाल की अन्य भाषाओं के पाठांश का हिन्दी में अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ

१) तिवारी, भोलानाथ, *अनुवाद विज्ञान,* शब्दकार ।
२) ,, ,, *कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं,* गोस्वामी, गुलाटी, शब्दकार ।
३) कुमार, सुरेश, *अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा,* वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
४) श्रीवास्तव, गोपीनाथ, *कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका,* सामयिक प्रकाशन ।
५) जी. गोपीनाथन, *अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग* ।
६) अय्यर, विश्वनाथ, *अनुवाद कला* ।
७) अय्यर, विश्वनाथ एन. ई., *अनुवाद कला,* प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
८) श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ, कृष्ण कुमार गोस्वामी, *अनुवादः सिद्धांत एवं समस्याएं,* आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।
९) शिवाजी, आनंद प्रकाश, *अनुवाद कला विचार,* एस. चंद एंड कं., दिल्ली ।
१०) रस्तोगी, आलोक कुमार, *हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद,* जीवन ज्योति प्र. दिल्ली ।
११) पालीवाल, रीतारानी, *अनुवाद प्रक्रिया,* साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।
१२) भाटिया, कैलाशचन्द्र, *अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग,* तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

ग) भाषा परक एवं विविधः प्रयोजनमूलक हिन्दी (विशेष अध्ययन)

Hind.505-3B

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

नोटः खंड (क) पर ४० अंक एवं खंड (ख) पर ६० अंक निर्धारित है । खंड (क) से दो प्रश्न एवं खंड (ख) से तीन प्रश्न करने होंगे ।

<u>इकाई</u> <u>पाठ घंटा</u>

६०

खंड (क) (४० अंक)

I *मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी*

संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी

II *हिंदी भाषा की सामाजिक शैलियां*

हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी; मौलिक और लिखित हिंदी; हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास ; मानक हिंदी की संकल्पना, हिंदी का मानकीरण

III *हिंदी के प्रयोग क्षेत्र*

भाषा: प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता क्षेत्र, वार्ता प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिंदी के प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र, साहित्यिक हिंदी बनाम प्रयोजन मूलक, हिंदी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता

IV *प्रयोजनमूलक हिंदी कुछ प्रमुख प्रकार*

कार्यालयीय हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वृत्तिपरक हिंदी (लोहार, कुम्हार, सोनार आदि से संबंधित प्रयुक्तियां), व्यावसायिक हिंदी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (रेडियो, टी.वी. चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, विज्ञापन की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण

पाठघंटा

खंड (ख) (अंक ६०) ९०

V *भाषा व्यवहार*

सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक हिंदी में सार लेखन, हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रवृत्तियां, विज्ञापन प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन

संदर्भ ग्रंथ

१) झाल्टे, दंगल, *प्रयोजनमूलक हिंदी* ।

२) कंसल, हरिबाबू, *कार्यालय कार्यबोध* ।

३) भाटिया, कैलाशचन्द्र, *कामकाजी हिंदी* ।

४) शर्मा, प्रद्‌म सिंह, *हिन्दी, उर्दू और हिंदुस्तानी*

५) विकल, कृष्ण, *व्यावाहारिक हिंदी* ।

६) श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ एवं रमानाथ सहार, *हिंदी का सामाजिक संदर्भ,* केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।

७) भटनागर, राजेन्द्र मोहन, *राष्ट्रभाषा और हिंदी,* केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।

८) सेठ, गोविन्द दास, *भाषा-आन्दोलन,* हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

९) तिवारी भोलानाथ, एवं मुकुल प्रियदर्शनी, *हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका,* दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास ।

१०) श्रीवास्तव, गोपीनाथ, *सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग,* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

११) श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ, *प्रयोजनमूलक हिंदी,* केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।
१२) कंसल, हरिबाबू, *प्रशासनिक हिंदी निपुणता,* प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
१३) चतुर्वेदी, एस.एन., *आवेदन प्रारूप,* अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।

ग) भाषा परक एवं विविध: बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति (विशेष अध्ययन)

Hind.505-3C

Paper: V
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

नोट: खंड (क) पर ५० अंक निर्धारित हैं । इस खण्ड में तीन प्रश्न करने होंगे ।

खंड (ख) इस प्रश्नपत्र का प्रायोगिक पक्ष है । अपने क्षेत्र का सर्वेक्षण कर उसे लघु प्रबंध के रूप में प्रस्तुत करना होगा । इस खंड पर ५० अंक निर्धारित हैं । इसमें ३० अंक लघु प्रबंध की प्रस्तुति तथा २० अंक मौखिकी के लिए निर्धारित हैं ।

<u>इकाई</u> | <u>पाठ घण्टा</u>

खंड (क) (अंक ५०) ७५

I *बोली एवं भाषा*

बोली, बोली के विविध रूप, व्यक्ति बोली वर्ग बोली (सोसियोलेक्ट); बोली एवं भाषा; भाषा बोली विज्ञान-परिभाषा, स्वरूप एवं मानकीकरण

II *बोली निर्धारण*

बोध गम्यता, सरल भाषा -सम्बन्ध (एलसिंपलेक्स एवं एलकांप्लेक्स), सरल भाषा संबंध एवं जटिल भाषा संबंध, संकेत नाद, उभयनिष्ठ अंतमांग, अर्द्ध दिद्धभाषिकता, समवेशक प्रतिमान, शब्दसमूह, व्याकरणिक रूपों की समानता, बोली निर्धारण की समस्याएं

III *बोली - भूगोल*

नामकरण, बोली मानचित्रावली निर्माण - पद्धति भेद-ध्वन्यात्मक, रूप प्रक्रियात्मक वितरण विधि-विन्दु विधि, रंगक विधि, समरेख विधि, आंकिक विधि, समभाषांश, सीमारेखा, समभाषांश रेखासमूह, समध्वनि सीमा रेखा, केन्द्रीय क्षेत्र, अवशिष्ट क्षेत्र, संक्रमण क्षेत्र

IV *सर्वेक्षण पद्धति*

सर्वेक्षण: परिभाषा, स्वरूप, सर्वेक्षण विधि, एकभाषिक, विभाषिक सर्वेक्षण स्थान समुदाय चुनाव के आधार, सर्वेक्षक योग्यता, सर्वेक्षक एवं सूचक, सूचक चयन प्रणाली-गुण, प्रश्नावली निर्माण, सामग्री संकलन: पद्धति, अवधि आदि सामग्री अंकन, आगत शब्दावली, संकलित शब्दावली, संकलित सामग्री विश्लेषण पद्धति

खंड (ख) (अंक ५०) पाठ घंटा ७५

V *बोली विज्ञान: अनु प्रयोग*

अपने भाषायी क्षेत्र की बोली विशेष के सर्वेक्षण एवं उसके विश्लेषण की समस्याएं तथा समाधान

संदर्भ ग्रंथ

१) शर्मा राजमणि, *आधुनिक भाषा विज्ञान* ।

२) भाटिया, कैलाशचन्द्र, *भाषा भूगोल* ।

३) गोस्वामी, श्रवणकुमार, *नागपुरी भाषा* ।

४) तिवारी, उदयनारायण, *भोजपुरी भाषा और साहित्य* ।

५) जैन, महावीर शरण, *बुलन्दशहर एवं खुर्जा तहसीलों की बोलियों का समकालिक अध्ययन* ।

६) ग्रियर्सन, जार्ज अब्राह्म, *लिंग्विस्टिक सर्वे आफ इण्डिया* (सभी भाग) ।

७) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *आगरे जिले की बोली* ।

द्वितीय वर्ष

VI	Hind.506	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) तथा कथा साहित्य	१००
VII	Hind.507	आधुनिक कविता तथा उपन्यास साहित्य	१००
VIII	Hind.508	निबन्ध एवं हिन्दी आलोचना साहित्य, नाटक तथा रंगमंच	१००
IX	Hind.509	संस्कृत साहित्य तथा ऐच्छिक भाषा साहित्य अ) संस्कृत साहित्य .... ५० आ) नेपाली अथवा नेवारी ५०	१००
X	Hind.510	शोधपत्र अथवा हिन्दी पत्रकारिता: इतिहास, सिद्धान्त और प्रयोग	१००

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) तथा कथा साहित्य

Hind.506 **Paper: VI**
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठयांश उद्देश्य

इस पत्र के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहासका आधुनिक काल ५० अंकों का तथा शेष ५० अंक में कथा साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है। हिन्दी साहित्य के इतिहास का आधुनिक काल अनेक विधाओं से पूर्ण तथा विस्तृत क्षेत्रयुक्त है। कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, आलोचना आदि अनेक विधाओं का विकास इस काल में हुआ है। विश्व की अन्य साहित्यिक विधाओं के सम्पर्क में भी इस काल के साहित्यकार आये हैं। वैचारिक दृष्टि से भी आधुनिक युग की अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक विचारधाराओं का प्रभाव इस काल के साहित्यकारों पर स्पष्ट रूप में देखा जाता है। वास्तव में हिन्दी साहित्य का विकास सभी दृष्टियों से उल्लेखनीय बना है। साहित्यकारों ने हिन्दी की समृद्धि में योगदान तो दिया ही है, इसकी गति को भी तीव्र बनाने की पूरी कोशिश भी की है। छात्रों को हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल की इन विभिन्न प्रवृत्तियों एवं विधाओं का सम्यक् ज्ञान दिलाना इस पत्र के उद्देश्य में शामिल है। हिन्दी का कथासाहित्य एक समृद्ध विधा के रूप में आज जाना जाता है। ५० अंक के कथा साहित्य अन्तर्गत हिन्दी कथा साहित्य के विकास का अध्ययन साथ ही प्रमुख कथाकारों एवं उनकी रचनाओं को समावेश करने का प्रयास किया गया है। इसके अध्ययन से हिन्दी कथा साहित्य की मूल प्रवृत्तियों तथा कथाकारों के संदर्भ मे सम्यक् ज्ञान होगा।

इकाई		पाठ घंटा
I	*हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)* (अंक: ५०) आधुनिक काल का सामाजिकसांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ तथा साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियां; नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना आदि गद्य विधाओं का विकास; प्रमुख साहित्यिक वाद, आन्दोलन, रचनाएं और रचनाकार तथा आलोचक	७५
II	*कथा साहित्य* (अंक ५०) इसके अन्तर्गत निर्धारित कहानियों में से दो व्याख्या हेतु २० अंक तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न हेतु ३० अंक होंगे।	७५

संदर्भ ग्रंथ (इकाई I हेतु)

१) सिंह, बच्चन, *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

२) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

३) नगेन्द्र, *हिन्दी साहित्य का इतिहास,* नेशलन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

४) श्रीकृष्णलाल, *आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास,* हिन्दी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।

५) वाजपेयी, नन्ददुलारे, *हिन्दी साहित्य: बीसवीं शताब्दी,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

६) सिंह, नामवर, *आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियां,* राजकमल, दिल्ली ।

७) ,, ,, *दूसरी परंपरा की खोज,* ,, ,,

८) शर्मा, रामविलास, *हिन्दी जाति का साहित्य,* वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

९) मिश्र, अवधेश नारायण, *हिन्दी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास,* आर्य भाषा संस्थान, वाराणसी ।

पाठ्य पुस्तकें (इकाई II हेतु)

१) यादव, राजेन्द्र, *एक दुनिया समानान्तर,* (निर्धारित कहानियां: जिन्दगी और जोंक, बादलों के घेरे, परिंदे, चीफ की दावत, यही सच है, नन्हीं, भोलारामका जीव, टूटना)

२) सिंह, बच्चन, *प्रतिनिधि हिन्दी कहानियां* । (निर्धारित कहानियां: पिता, लाल किले के बाज)।

अनुशंसित ग्रंथ

१) शर्मा, रामविलास, *प्रेमचन्द और उनका युग,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

२) सिंह, नामवर, *कहानी: नई कहानी,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

३) अवस्थी, देवीशंकर, *नई कहानी संदर्भ और प्रकृति,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

४) मालती, के.एम., *साठोत्तर हिन्दी कहानी,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

आधुनिक कविता तथा उपन्यास साहित्य

Hind.507

Paper: VII
Full Marks: 100
Teach. Hr. 150

पाठयांश उद्देश्य

इस पत्र के अन्तर्गत प्रथम खंड ५० अंक में हिन्दी साहित्य की छायावादी कालीन कविताओं से लेकर आधुनिक समय तक की कविताओं का अध्ययन कराया जायेगा । आधुनिक हिन्दी कविता के विकास क्रम तथा प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन कराया जाना इस पत्र के प्रथम खंड का मुख्य उद्देश्य है ।

इस पत्र के द्वितीय खंड ५० अंक अन्तर्गत हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन कराया जायेगा । हिन्दी का उपन्यास साहित्य विधा की दृष्टि से आज बहुत समृद्ध है । इसकी मुख्य प्रवृत्तियों का अध्ययन, प्रमुख उपन्यासकारों के संदर्भ में यथाशक्य विस्तृत अध्ययन तथा किन्हीं दो प्रमुख उपन्यासकारों के दो उपन्यासों का अध्ययन भी कराया जाना पत्र के इस खंड का उद्देश्य है ।

<u>इकाई</u> <u>पाठ घंटा</u>

खंड (क) (अंक ५०) ७५

I *आधुनिक कविता*

इस पत्र के अन्तर्गत २०अंक के दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा ३० अंक के दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

खंड (ख) (अंक ५०) ७५

II *उपन्यास साहित्य*

इस खंड के अन्तर्गत २० अंक की दो व्याख्याएं (दोनों ही उपन्यासों से एक-एक) तथा ३० अंक के दो आलोचनात्मक प्रश्न दोनों ही उपन्यासों से एक-एक) होंगे ।

पाठ्य पुस्तकें
(खण्ड "क")

१) प्रसाद, जयशंकर, *लहर* (केवल प्रलय की छाया) ।
२) निराला, *तुलसीदास* (संपूर्ण) ।
३) वर्मा, महादेवी, *आधुनिक कवि* , हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग । चुने हुस ११ गीत: निशा को धो देता राकेश, धोरतम छाया चारों ओर, जिस दिन नीरव तारों से, मधुरिमा के मधु के अवतार, चुभते ही तेरा अरुण बान, कह दे मां क्या देखूं, प्राणों के अंतिम पाहुन, क्या पूजा क्या अर्जन रे, प्रिय सान्ध्य गगन, चिर सजग ाखें उनींदी, सो रहा है विश्व) ।
४) *पंत: आधुनिक कवि,* हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

९ चुनी हुई कविताएः उच्छ्वास की बालिका, मौन निमंत्रण, अनित्य जग, निष्ठुर परिवर्तन, नित्य जग, चांदनी, मानव, महात्मा जी के प्रति, ताज)।

५) सिंह, नामवर (सं.), *नागार्जुन - प्रतिनिधि कविताएं* ।
(निम्नलिखित पांच कविताएं: बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के) ।

६) अग्रवाल, केदार नाथ, *आधुनिक कवि, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,* प्रयाग । (केवल पांच कविताएं: वसंती हवा, चंदगहना से लौटती बेर, धूप, प्रकृति यथार्थ और मैं, पाब्लो नेरूदा के प्रति) ।

७) दिनकर, रामधारी सिंह, *रश्मिरथी (खण्ड काव्य) उत्तर प्रदेश संस्करण)* लोकभारती, इलाहाबाद ।

८) गुप्त, जगदीश, *शम्बूक (खण्ड काव्य),* लोकभारती, इलाहाबाद ।

९) दुष्यंत कुमार, *एक कण्ठ विषपायी (काव्य नाटक),* लोकभारती, इलाहाबाद ।

१०) मेहता, नरेश, *तुम मेरा मौन हो (प्रेम कविताएं),* लोकभारती, इलाहाबाद (केवल प्रारंभ की तीन कविताएं)

११) मिश्र, विद्यानिवास (सं.), *आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय,* राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।(केवल निम्न कविताएँ: साम्राज्ञी का नैवेद्य, नदी के द्वीप, देहरी पर) ।

(खण्ड "ख")

१) प्रेमचन्द, *गोदान,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

२) *अमृत और विष,* अमृतलाल नागर, लोकभारती, इलाहाबाद ।

सहायक ग्रंथ

१) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *आधुनिक कविता यात्रा,* लोकभारती,इलाहाबाद।

२) वर्मा, लक्ष्मीकांत, *नयी कविता के प्रतिमान,* लोकभारती,इलाहाबाद ।

३) चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *नयी कविताएं: एक साक्ष्य,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

४) ,, ,, *प्रसाद - निराला - अज्ञेय* ।

५) दीक्षित, सूर्यप्रसाद, *छायावादी काव्य का व्यावहारिक सौन्दर्यशास्त्र,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

६) राय, रामकमल, *हिन्दी कविता का वैयक्तिक परिप्रेक्ष्य,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

७) त्रिवेद, प्रमोद, *नरेश मेहता: एक एकांत शिखर,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

८) श्रीवास्तव, मीरा, *आधुनिकता के आगे श्री नरेश मेहता,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

९) राय, रामकमल, *नरेश मेहता: कविता की ऊर्ध्व - यात्रा,* लोकभारती, इलाहाबाद ।

१०) सिंह, अशोक, *समकालीन कविता: एक विश्लेषण,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
११) वाजपेयी, नन्ददुलारे, *महाकवि निराला* ।
१२) श्रीवास्तव, परमानन्द, *निराला* ।
१३) सिंह, नामवर, *छायावाद* ।
१४) राय, महेन्द्रनाथ, *नव जागरण और छायावाद* ।
१५) गुप्त, जगदीश, *नयी कविता: स्वरूप और संवेदना* ।
१६) अज्ञेय (सं.), *तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक,* ज्ञानपीठ ।
१७) पाण्डेय, श्रीनिवास, *आधुनिक कविता के बदलते प्रतिमान,* आशुतोष प्रकाशन, वाराणसी ।
१८) मदान, इन्द्रनाथ, *आधुनिकता और उपन्यास* ।
१९) जैन, रजनीकांत, *प्रेमचन्द्र के उपन्यासों में समकालीनता,* लोकभारती, इलाहाबाद ।
२०) रामवृक्ष, *प्रेमचन्द एवं भारतीय किसान* ।
२१) विमल, गंगा प्रसाद, *प्रेमचन्द* ।
२२) जैनेन्द्र, *प्रेमचन्द: एक कला व्यक्तित्व* ।
२३) शर्मा, नलिन विलोचन, *हिन्दी उपन्यास: विशेषताएँ* ।
२४) मदान, इन्द्रनाथ, *प्रेमचन्द: एक विवेचन* ।
२५) प्रेम शंकर, *प्रसाद का काव्य* ।
२६) मिश्र, रामदरश, *हिन्दी उपन्यास* ।
२७) गणेशन, *हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन* ।
२८) धवन, सुषमा, *हिन्दी उपन्यास* ।

निबन्ध एवं हिन्दी आलोचना साहित्य, नाटक तथा रंगमंच

Hind.508

Paper: VIII
Full Marks: 100
Leach. Hr. 150

पाठयांश उद्देश्य

इस पत्र के अन्तर्गत हिन्दी के निबन्ध एवं आलोचना साहित्य तथा नाटक और रंगमंच का अध्ययन किया जांयेगा । जिसके लिये अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा: खंड "क" में निबन्ध एवं हिन्दी आलोचना साहित्य हेतु ५० अंक तथा दूसरे खंड "ख" में नाटक और रंगमंच हेतु ५० अंक निर्धारित हैं । हिन्दी का निबन्ध एवं आलोचना साहित्य आज एक समृद्ध विधा के रूप में विकसित हो चला है । अत: एम.ए. स्तर के छात्रों को इस विधा की विस्तृत जानकारी तथा गम्भीर अध्ययन हेतु इसे एक अलग पत्र के अन्तर्गत रखा गया है । उद्देश्य यह है कि हिन्दी साहित्य अन्तर्गत इस विधा की प्रमुख साहित्य रचनाओं की छात्र विशेष गहराई से जानकारी हासिल कर सकें ।

<u>इकाई</u>		<u>पाठ घण्टा</u>
	खंड (क) (अंक ५०)	७
I	*निबन्ध एवं हिन्दी आलोचना साहित्य*	५
	इस पत्र के अन्तर्गत २० अंक के दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा ३० अंक के दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे ।	
	खंड (ख) (अंक ५०)	
II	*नाटक और रंगमंच*	७
	इस पत्र के अन्तर्गत २० अंक के व्याख्यात्मक तथा मंच व्यवस्था सम्बन्धी प्रश्न तथा ३० अंक के दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।	५

पाठ्य पुस्तकें

(खण्ड "क")

१) शुक्ल, रामचन्द्र, *चिंतामणि*, भाग १, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी । (पाठ्य निबंध: भाव या मनोविकार, करुणा, लोभ और प्रीति, कविता क्या है ?, रसात्मक बोध के विविध रूप) ।

२) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *अशोक के फूल* । (पाठ्य निबंध: वसंत आ गया है, भारतीय संस्कृति की देन, भारत वर्ष की सांस्कृतिक समस्या, साहित्यकारों का दायित्व, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है) ।

(खण्ड "ख")

१) हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु, *वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति ।*

२) राकेश, मोहन, *आषाढ का एक दिन ।*

३) भारती, धर्मवीर, *अंधा युग ।*

सहायक ग्रंथ

१) शर्मा, रामविलास, *रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

२) मलयज, *रामचन्द्र शुक्ल,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

३) यादव, चौथीराम, *आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य,* हरियाणा ग्रंथ अकादमी ।

४) सिंह, काशीनाथ, *आलोचना भी रचना है,* प्रतिभा प्रकाशन, इलाहाबाद ।

५) चतुर्वेदी, सीताराम, *भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच ।*

६) जैन, नेमिचंद्र, *रंगदर्शन ।*

७) तनेजा, जयदेव, *रंगकर्म - दशा एवं दिशा ।*

८) ओझा, दशरथ, *हिन्दी नाटक - उद्‌भव और विकास ।*

९) " " *हिन्दीनाटक प्रगति और प्रभाव ।*

१०) त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण, *नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान ।*

११) राय, वशिष्ठ नारायण, *रस और रस परंपरा ।*

१२) राय, नर्वदेश्वर, *हिन्दी नाट्‌य शास्त्र का स्वरूप ।*

१३) शर्मा, रामजन्म, *पं. राधेश्याम कथावाचक के नाटक ।*

१४) शर्मा, रामजन्म, *स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक ।*

१५) ओझा, दशरथ, *हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास,* राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।

संस्कृत साहित्य तथा ऐच्छिक भाषा साहित्य

Hind.509

Paper: IX
Full Marks: 100
Leach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

इस पत्र के अन्तर्गत प्रथम खंड ५० अंक में संस्कृत साहित्य का इतिहास तथा हितोपदेश के "मित्रलाभ" अंश का अध्ययन कराया जाएगा । संस्कृत साहित्य की सामान्य जानकारी हिन्दी छात्रों के लिये आवश्यक है । हिन्दी की अनेक परम्पराओं का स्रोत प्राचीन संस्कृत साहित्य तथा संस्कृत भाषा से उपलब्ध होता है । अत: इस पत्र में संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं एक ग्रंथ (हितोपदेश) को इस अध्ययन की दृष्टि से अनिवार्य विषय के रूप में रखा गया है ।

इस पत्र के खंड "ख" ५० अंक अन्तर्गत छात्रों के लिये दो विकल्प रखे गये हैं । नेपाल में हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन करने वाले छात्रों को नेपाली साहित्य अथवा नेवारी साहित्य में से किसी एक साहित्य के इतिहास का अध्ययन तथा दोनों ही भाषाओं की प्रमुख विधाओं की साहित्यिक रचना का अध्ययन भी इन दोनों वैकल्पिक वर्गों के अन्तर्गत अनिवार्य किया गया है । नेपाली तथा नेवारी साहित्य के साथ हिन्दी साहित्य का कई दृष्टियों से सम्बन्ध भी देखा जाता है । अत: इन दोनों भाषाओं में से किसी एक के साहित्य का अध्ययन करना होगा ।

प्रथम खंड संस्कृत तथा द्वितीय खंड नेपाली अथवा नेवारी साहित्य के प्रश्नोत्तर हिन्दी भाषा में देने होंगे ।

<u>इकाई</u> <u>पाठ घंटा</u>

खंड (क) (अंक ५०) ७५

I *संस्कृत साहित्य*

इसमें २ व्याख्या या पाठ्यपुस्तक के दो अवतरणों का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद २० अंक तथा संस्कृत साहित्य के इतिहास का अध्ययन ३० अंक का होगा ।

खंड (ख) (अंक ५०) ७५

II *ऐच्छिक भाषा - साहित्य*

इस खंड के अन्तर्गत विकल्प १ नेपाली साहित्य अंतर्गत नेपाली साहित्य के इतिहास हेतु ३० अंक और उपन्यास तथा कहानियों के हेतु २० अंक होंगे । विकल्प २ नेवारी साहित्य अंतर्गत नेवारी साहित्य का इतिहास ३० अंक और उपन्यास तथा कहानी हेतु २० अंक होंगे । नेपाली अथवा नेवारी किसी एक समूह को लेना होगा ।

पाठ्य पुस्तक
(खण्ड "क")

१) आचार्य, नारायण राम (सं.), *हितोपदेश,* निर्णय सागर मुद्रणालय, बम्बई २ (प्रस्तावना से लेकर मित्रलाभ की प्रशस्ति तक संपूर्ण)

अनुशंसित ग्रंथ

१) कीथ, ए.बी., *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।

२) उपाध्याय, बलदेव, *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* (नवीन संस्करण) शारदा मंदिर, वाराणसी ।

३) व्यास, भोलाशंकर, *संस्कृत कवि दर्शन,* चौखम्भा, वाराणसी ।

पाठ्य पुस्तकें (खण्ड "ख")

१. नेपाली साहित्य :

१) कोइराला, बी.पी., *सुम्निमा* ।

२) अवस्थी, महादेव (सं.), *नेपाली कथा,* भाग २, साझा प्रकाशन

सहायक ग्रंथ

१) श्रेष्ठ, दयाराम र मोहनराज शर्मा, *नेपाली साहित्यको संक्षिप्त इतिहास,* (पांचौं संस्करण) ।

२) शर्मा, तारानाथ, *नेपाली साहित्यको इतिहास* ।

३) शरण, दीनानाथ, *नेपाली साहित्य का इतिहास* ।

२. नेवारी साहित्य :

पाठ्य पुस्तकें

१) तमोट, काशीनाथ, *नेपालभाषा साहित्यया ध्व: किया,* नसना पब्लिकेशन, यँ १११८

२) बासु पासा, *कीर्तिलक्ष्मी* (उपन्यास), "थौंकन्हें" प्रकाशन ।

३) शाक्य, आशाराम, *पलेह:* (कथा संग्रह), पासामुना प्रकाशन, यें ।

सहायक ग्रंथ

१) सायमी, भरत (सं.), *बाखं॰समालोचना,* कान्तिपुर: पल्पसा साहित्य ख्य: ने.सं. १०९५

२) बज्राचार्य, चन्द्रमान, *सिर्जनामा विवेचना,* कीर्तिपुर, जनचेतना प्रकाशन, ने.सं. १११७

शोध

अथवा

वैकल्पिक पत्र: हिन्दी पत्रकारिता

(इतिहास, सिद्धान्त और प्रयोग)

Hind.510

Paper: X
Full Marks: 100
Leach. Hr. 150

पाठ्यांश उद्देश्य

यह पत्र छात्रों में शोध कार्य के प्रति उत्साह जगाने तथा शोध कार्य की क्षमता अभिवृद्धि करने की दृष्टि से रखा गया है । छात्रों के लिये विषय का चयन केन्द्रीय विभाग द्वारा किया जायेगा तथा स्वीकृत विषय पर उन्हें शोधपत्र प्रस्तुत करना होगा । शोधपत्र अन्तर्गत ६० अंक शोधपत्र के लिए तथा ४० अंक मौखिक परीक्षा **(Viva-Voce)** के लिये निर्धारित हैं ।

ऐसे छात्र जो शोधपत्र नहीं रखना चाहेंगे उनके लिये वैकल्पिक पत्र के रूप में ***हिन्दी पत्रकारिता: इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग*** पत्र है ।

सहायक पुस्तकें

१) सिंह, विजयपाल, ***हिन्दी अनुसंधान,*** लोकभारती, इलाहाबाद ।

२) गणेशन, ***अनुसंधान प्रविधि,*** लोकभारती, इलाहाबाद ।

हिन्दी पत्रकारिता: इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग

(शोधपत्र न लेने वाले छात्रों के लिए)

क)	इतिहास:	अंक	४०
ख)	सिद्धांत:	अंक	४०
ग)	प्रयोग:	अंक	२०

<u>इकाई</u>			<u>पाठ घंटा</u>
I	*इतिहास*	(अंक: ४०)	६०

१) हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास-सामान्य रुपरेखा

२) प्रमुख पत्र: उदन्त मार्तण्ड, कवि वचन-सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला

३) पत्रकार: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बालकृष्ण भट्ट, महामना मदनमोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराम विष्णुराव पराडकर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी

II	*सिद्धांत*	(अंक: ४०)	पाठ घंटा ६०

समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत; भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि, शीर्षक कला; फीचर-लेखन का स्वरूप और उद्देश्य; समाचार लेख संपादन; संपादकीय लेख तथा टिपणियों का लेखन, मेकअप, प्रूफ-संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान

III	*प्रयोग*	(अंक: २०)	३०

पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनायें, शीर्षक कैसे दें, अनुवाद की प्रविधि; संक्षिप्तीकरण, संपादकीय लेखन और टिपणी लेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तंभ; प्रूफ संशोधन, पत्र की साजसज्जा; मुख्य पृष्ठ की साजसज्जा कैसे आकर्षक बने

सहायक पुस्तकें

१) वाजपेयी, अम्बिका प्रसाद, *हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास*
२) मिश्र, हेरम्ब, *संपूर्ण पत्रकारिता*
३) त्रिपाठी, कमलापति, *पत्र और पत्रकार*
४) मिश्र, कृष्ण विहारी, *हिंदी पत्रकारिता*
५) नारायण, के.पी., *संपादन कला*
६) शुक्ल, विष्णुदत्त, *पत्रकार कला*
७) त्रिखा, नन्दकिशोर, *पत्र संपादन कला*
८) प्रफुल्ल चन्द्र ओझा, मुक्त, *मुद्रण कला*
९) वैदिक, वेद प्रताप, *हिंदी पत्रकारिता: विविध आयाम*
१०) मिश्र, हेरम्ब, *हिन्दी पत्रकारिता: संकट और संत्रास*

मुद्रकः
त्रिभुवन विश्वविद्यालय छापाखाना
कीर्तिपुर, काठमाडौं, नेपाल ।
फोन नं. ३३१३२०, ३३१३२१

CDC - T.U./028/2056 (99) - M.A.